सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 264 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 5 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

2024 तक ऐसा ही होता रहेगा... 7

अगर आपको अपने जीवन के लक्ष्य प्राप्त करने हैं तो आपको अपनी आत्मा से शुरुआत करनी होगी।
-ओपरा विनफ्रे

निकाय चुनाव से पहले सियासी... 3

डेंगू को लेकर एक्टिव मोड में रहें... 2

यूपी समेत पांच राज्यों में उपचुनाव का ऐलान

मैनपुरी-रामपुर में पांच दिसंबर को मतदान, आठ को परिणाम

» निर्वाचन आयोग ने तय की तारीख

» एक लोक सभा और पांच विधान सभा की रिक्त सीटों पर होंगे उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने आज यूपी समेत पांच राज्यों की रिक्त लोक सभा और विधान सभा सीटों पर चुनाव का ऐलान कर दिया है। इन राज्यों में पांच दिसंबर को मतदान होंगे जबकि आठ दिसंबर को मतगणना करायी जाएगी। यूपी में मुलायम सिंह यादव के निधन से मैनपुरी लोक सभा और सपा विधायक आजम खां की सदस्यता रद्द होने से रामपुर सीट पर उपचुनाव होंगे।

चुनाव आयोग ने ओडिशा, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उपचुनावों की तारीख की घोषणा की है। इन राज्यों में होने वाले उपचुनाव अगले महीने होंगे। इसमें एक लोक सभा सीट तो 5 विधान सभा सीटें शामिल हैं। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी की लोक सभा सीट पर उपचुनाव होंगे। वहीं, ओडिशा के पादमपुर की विधान सभा क्षेत्र, राजस्थान के सरदार शहर, बिहार के कुरहानी, छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर और यूपी की रामपुर विधान सभा सीट पर उपचुनाव होंगे। गौरतलब है कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोक सभा सीट रिक्त हो गई है। वहीं आजम खां की सदस्यता रद्द होने के बाद रामपुर विधान सभा सीट रिक्त हो गई है। दोनों सीटों पर सपा के कद्दावर नेताओं ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की थी। जाहिर है सबकी निगाहें यूपी की लोक सभा सीट मैनपुरी और रामपुर विधान सभा सीट पर होने वाले उपचुनाव पर रहेंगी। दोनों सीटें सपा का गढ़ हैं। इन दोनों सीटों पर इस बार भी कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है। चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार उपचुनाव के लिए 10 नवंबर को अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। अधिसूचना जारी होने के साथ नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। 17 नवंबर तक पंजीकृत राजनीतिक दलों के प्रत्याशी अपना नामांकन जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में दाखिल कर सकेंगे। 18 नवंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। जांच में वैध पाए गए नामांकन पत्रों की वापसी के लिए भी तीन दिन का समय दिया जाएगा। 21 नवंबर तक कोई भी प्रत्याशी अपना नाम वापस ले सकेगा। इसके बाद पांच दिसंबर को मतदान होगा। आठ दिसंबर को मतगणना होगी।

मुलायम के निधन से मैनपुरी और आजम की सदस्यता रद्द होने से रामपुर सीट हुई खाली

28 अक्टूबर को रद्द हुई थी आजम की सदस्यता

भड़काऊ भाषण देने के मामले में दोषी करार दिए गए सपा के वरिष्ठ नेता और रामपुर शहर सीट के विधायक मोहम्मद आजम खां की विधान सभा की सदस्यता 28 अक्टूबर को समाप्त कर दी गई थी। इस मामले में 27 अक्टूबर को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें तीन वर्ष की सजा सुनाई थी। रामपुर में लगातार दूसरी बार ऐसा मौका है जब एक विधायक पूरे पांच साल नहीं रह सके।

तैयारियों में जुटा मैनपुरी प्रशासन

चुनाव आयोग द्वारा लोक सभा उपचुनाव का कार्यक्रम जारी होने के बाद प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। पहले से ही जिले में ईवीएम की एफएलसी का कार्य चल रहा है जो अंतिम चरण में है। इसके साथ ही कार्मिकों की भी सूचना विभागों से मांगी जा चुकी है। अब मतदान केंद्र और मतदेय स्थलों पर कार्य शेष है।

कौन होगा मैनपुरी सीट पर सपा का प्रत्याशी सबकी नजर

मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई मैनपुरी लोक सभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में सपा से प्रत्याशी कौन होगा, इस पर सबकी निगाहें हैं। 2019 के चुनाव में मुलायम सिंह यादव के सामने भाजपा ने प्रेम सिंह शाक्य को उतारा था। भाजपा प्रत्याशी ने कड़ी टक्कर दी थी। मुलायम सिंह ने उन्हें 94,389 वोटों से हराया था।

हिमाचल विधान सभा चुनाव

कांग्रेस ने लगायी वादों की झड़ी, जारी किया घोषणा पत्र

पुरानी पेंशन बहाली और एक लाख नौकरी देने का वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने आज शिमला स्थित प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया। घोषणा पत्र में जनता से कई वादे किए गए हैं। पुरानी पेंशन बहाली और एक लाख नौकरी देने का वादा भी किया गया है।

घोषणापत्र में कहा गया कि कांग्रेस की सरकार बनी तो कृषि एवं बागवानी आयोग का गठन होगा। किसानों और बागवानों की सलाह से आयोग फलों की कीमत तय करेगा। हर पशुपालक से हर दिन दस किलो दूध सरकार की ओर से खरीदा जाएगा। पशुपालकों से दो रुपए प्रति किलो की दर से गोबर खरीदा जाएगा। पुरानी पेंशन योजना लागू करेंगे। महिलाओं को 1500 रुपए प्रति माह और 300 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी।

डेंगू के बढ़ते खतरे पर बोले सीएम मरीज को हर हाल में मिले इलाज

» मिशन मोड पर काम करें अफसर डॉक्टर और दवाओं की उपलब्धता कराएं सुनिश्चित

» साफ-सफाई को चलाएं विशेष अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में बढ़ते डेंगू के खतरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज समीक्ष बैठक की। उन्होंने कहा कि अफसर मिशन मोड पर काम करें और नोडल अफसर डेंगू की रोकथाम के लिए फील्ड में जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में सर्विलांस की गतिविधियां बढ़ाई जाएं। प्रदेश के सभी नगर निगम, स्थानीय निकाय साफ-सफाई, फॉगिंग, एंटी लारवा स्प्रे का विशेष अभियान चलाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मिशन मोड में डॉक्टरों एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए। अस्पताल पहुंचे मरीज को हर हाल में जरूरी उपचार मिलना चाहिए। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ने 26 अक्टूबर को डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने के निर्देश दिए थे। जिला अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड बनाने समेत बेड, दवाओं आदि को सुनिश्चित करने के आदेश दिए थे।

डेंगू को लेकर एक्टिव मोड में रहें मेडिकल स्टॉफ : बृजेश पाठक

» यूपी में डेंगू संकट गहराया, अलग वार्ड में भर्ती करें डेंगू-स्वाइन फ्लू के मरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में लगातार बढ़ रहे डेंगू के मामलों के बीच डिप्टी सीएम ने डेंगू और स्वाइन फ्लू मरीजों के इलाज में किसी भी तरह की कोताही न बरतने पर जोर दिया हैं। मरीजों को अलग वार्ड में भर्ती करने के साथ डेंगू या बुखार के मरीज ज्यादा आने पर अस्पतालों में बेड की संख्या बढ़ाएं जाने के बात कही। गेट पर ही मरीजों को व्हील चेयर और स्ट्रेचर की सुविधा उपलब्ध है। मरीजों को रिसीव करने के लिए वार्ड ब्वॉय मुस्तैद रहें। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने यह निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए।

उन्होंने कहा कि अस्पताल के मुख्य गेट के पास दीवार पर डॉक्टर, चीफ फार्मासिस्ट समेत अन्य जिम्मेदार पैरामेडिकल स्टाफ के नाम और मोबाइल हर हाल में अंकित किए जायें। ताकि जरूरत पड़ने पर मरीज उनसे संपर्क कर सके। इस काम को जल्द से जल्द कराया जाए। पाठक ने कहा कि स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए अस्पतालों में वैक्सीन आ गई है। जल्द सभी

डॉक्टर-कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई जाए, ताकि वे मरीजों के इलाज में किसी भी तरह घबरायें नहीं। वैक्सीन लगने के बाद भी डॉक्टर-कर्मचारी पूरे एहतियात के साथ ही मरीजों को देखें। अस्पताल में रैबीज इंजेक्शन व दूसरी दवाओं के पुख्ता इंतजाम करें। मरीजों को मुफ्त सलाह, दवाएं मिलने में असुविधा नहीं होनी चाहिए। बुखार की आशंका में आने वाले मरीजों की जांच कराई। डेंगू और मलेरिया जांच की संख्या बढ़ाई जाए।

हमारे पास एजेंसी होती तो जांच जरूर कराते : हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में डेंगू के बढ़ते मामलों पर राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि न तो दवाओं की कमी है और न ही कहीं बेड की। इस पर न्यायालय ने अफसोस जताते हुए कहा है कि जमीनी हकीकत तो कुछ और ही है। यदि हमारे पास कोई एजेंसी होती तो हम सरकारी दावे की जांच अवश्य कराते। न्यायालय ने आदेश दिया है कि राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया जाए कि इस मामले में क्या उपाय किए गए हैं। मामले की अगली सुनवाई 9 नवंबर को होगी। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की खंडपीठ इस मामले में एक जनहित याचिका की सुनवाई कर रही है।

धर्म, जाति के नाम पर बांटने का काम कर रही सत्ताधारी पार्टी : खाबरी

» आपसी मनमुटाव को भुलाकर पार्टी को मजबूत करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। ललितपुर में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने सत्तारूढ़ दल के साथ क्षेत्रीय दलों पर निशाना साधा। आरोप लगाया कि सत्ताधारी और क्षेत्रीय दल लोगों को धर्म और जाति के नाम पर बांटने की राजनीति कर रही है। इतना ही नहीं, सत्ताधारी दल पूंजीपतियों के हाथ की कठपुतली बन कर रह गयी है। वहीं हमारी पार्टी के नेता राहुल गांधी 3,000 से अधिक किलोमीटर की पदयात्रा लेकर निकले हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी जहां सड़कों पर बेरोजगारी, महंगाई, जातिवाद, भेदभाव के खिलाफ संघर्ष कर रही है। वहीं, सत्ताधारी दल पूंजीपतियों के हाथ की कठपुतली बना हुआ है। लगातार महंगाई बढ़ाकर लोगों का शोषण कर रहा है। लोग अब यह जानने, समझने लगे हैं। यही कारण है कि अब धीरे-धीरे उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों में क्षेत्रीय दल कमजोर हो रहे हैं। कांग्रेस मजबूत होकर निकल रही है।

उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं से सभी प्रकार के आपसी मनमुटाव को भुलाकर पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष का जिले में आगमन पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। पिछले महीने संगठन ने बड़ा फेरबदल करते हुए प्रदेश कमेटी की बागडोर जमीन से जुड़े नेता बृजलाल खाबरी को सौंपी। प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद से वह जनपद में जाकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

ईडी के शिकंजे में अब्बास जा सकते हैं जेल

» मनी लॉन्ड्रिंग केस में की गई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय ने माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी को नौ घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। रात करीब 12 बजे उसे मेडिकल के लिए लेकर कड़ी सुरक्षा के बीच मोतीलाल नेहरू जिला चिकित्सालय (कॉल्विन अस्पताल) ले जाया गया। इसके बाद उसे दोबारा ईडी दफ्तर लाकर नजरबंद कर दिया गया। फिलहाल ईडी की ओर से कोई बयान नहीं जारी किया गया। पेशी के बाद अब्बास को जेल भेजा सकता है।

माफिया मुख्तार अंसारी पर पिछले साल जुलाई में मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया था। इस मामले में 20 मई को ही उसके बड़े बेटे अब्बास अंसारी व छोटे बेटे उमर से पूछताछ की गई थी। पिछले दिनों अब्बास को एक बार फिर ईडी ने समन जारी किया था। शुक्रवार

दोपहर दो बजे के करीब अब्बास सिविल लाइंस स्थित ईडी दफ्तर में पहुंचे। यहां करीब आधे घंटे बाद ईडी की टीम ने उससे पूछताछ शुरू की। अब्बास से करीब नौ घंटे तक ईडी की अलग-अलग टीम ने पूछताछ की। रात करीब 9.30 बजे ईडी दफ्तर परिसर में पुलिस फोर्स का पहुंचना शुरू हो गया। कुछ देर बाद पुलिस के साथ ही पीएसी के जवान भी आ गए और पूरे परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

6 महीने तक कोर्ट की निगरानी में रहेंगी बीजेपी सांसद

» एमपीएमएलए कोर्ट ने आचार संहिता के उल्लंघन में रीता बहुगुणा जोशी को दोषी करार दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के एमपीएमएलए कोर्ट ने भाजपा सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें 6 महीने तक निगरानी में रखने का आदेश दिया है। 2012 के विधानसभा चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन में सांसद डॉ. रीता बहुगुणा जोशी समेत 5 लोग दोषी पाए गए हैं। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने सभी दोषियों को 6 महीने की परिवीक्षा पर रहने का आदेश देते हुए रिहा कर दिया गया है।

एमपी/एमएलए कोर्ट ने भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के खिलाफ 20 अक्टूबर को गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया था। विशेष एसीजेएम

अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने अदालत में मौजूद गवाह से जिरह नहीं करने पर सांसद रीता बहुगुणा जोशी की ओर से दी गई हाजिरी माफी अर्जी खारिज कर दी थी। कोर्ट ने गवाही के लिए मौजूद कांस्टेबल दिनेश कुमार यादव की गवाही समाप्त करते हुए सुनवाई के लिए नई तारीख दी थी। कोर्ट ने कहा कि छह माह की साधारण परिवीक्षा पर अच्छा चाल चलन बनाए रखने के लिए जिला प्रोबेशन अधिकारी के समक्ष जाकर 20-20 हजार की दो जमानतें और इतनी ही धनराशि का व्यक्तिगत मुचलका दाखिल करेंगे। कोर्ट ने रीता बहुगुणा जोशी, मनोज चौरसिया, राम सिंह, संजय यादव और प्रभा श्रीवास्तव को आदेश दिया की वह 30 दिन के अंदर जिला प्रोबेशन अधिकारी के सामने हाजिर होंगे। परिवीक्षा अवधि प्रोबेशन अधिकारी के समक्ष उपस्थिति के दिन से मानी जाएगी। चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के दस साल पुराने मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी होने के बाद शुक्रवार को सांसद डॉक्टर रीता बहुगुणा जोशी पेश हुईं थी। इस दौरान कोर्ट ने जोशी को हिरासत में ले भी लेने का आदेश दिया। मामला वर्ष 2012 के विधानसभा चुनाव के दौरान का है।रीता बहुगुणा जोशी पर आरोप है कि वर्ष 2012 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में विधानसभा चुनाव के प्रचार का समय समाप्त होने के बाद प्रचार कर आचार संहिता का उल्लंघन कर रही थीं। कृष्णा नगर थाने में स्टैटिक मजिस्ट्रेट मुकेश चतुर्वेदी ने 17 फरवरी 2012 को मुकदमा दर्ज कराया था।

अफसरशाही से हाईकोर्ट नाराज, कहा

अधिकारी काम नहीं करते, बस अतिरिक्त समय मांगते रहते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। प्रदेश की अदालतों में न्याय कक्ष, जज चेंबर की कमी, पेयजल, प्रसाधन सहित तमाम मूलभूत सुविधाओं को लेकर बैठी इलाहाबाद हाईकोर्ट की सात न्यायाधीशों की वृहद पीठ ने राज्य ब्यूरोक्रेसी के रवैये पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि सुनवाई के दौरान अपर विधि सचिव के अलावा किसी भी विभाग का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी कोर्ट में मौजूद नहीं है। जबकि अधिकारियों को सुनवाई में सहयोग के लिए बुलाया गया था।

कोर्ट ने कहा कि ब्यूरोक्रेट्स आदेश का पालन न करने का स्पष्टीकरण नहीं देते, केवल अतिरिक्त समय की मांग की जाती है। अदालतों को मूलभूत सुविधाएं मुहैया नहीं कराई जा रही हैं। कोर्ट ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि भविष्य में सुनवाई से पहले महाधिवक्ता को सहयोग के लिए वरिष्ठ अधिकारी की मौजूदगी सुनिश्चित करें। साथ ही मुख्य सचिव से आदेश के अनुपालन का हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 15 नवंबर को होगी। महाधिवक्ता ने भी कोर्ट से सहमति जताई और कहा कि अधिकारी केस में सहयोग के लिए नहीं आते। प्रदेश की अदालतों को जरूरी मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के मुद्दे को लेकर कायम जनहित याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश राजेश बिंदल की सात सदस्यीय वृहद पीठ कर रही है।

निकाय चुनाव से पहले सियासी जमीन मजबूत करने में जुटे राजभर, संगठन पर फोकस

» सावधान यात्रा के जरिए लोगों से बनाया संवाद अकेले दम पर चुनाव लड़ने का कर चुके हैं ऐलान

» लोक सभा चुनाव पर भी नजर, पूर्वांचल में विशेष पकड़ बनाने की तैयार की रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा में करारी हार के बाद सपा से गठबंधन तोड़ चुके सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर निकाय चुनाव से पहले प्रदेश में अपनी सियासी जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने पिछले दिनों सावधान यात्रा निकाली और जनसभाएं की। इन जनसभाओं के जरिए उन्होंने लोगों से संवाद बनाने की कोशिश की। यही नहीं वे अकेले दम पर निकाय चुनाव लड़ने का ऐलान भी कर चुके हैं। पूर्वांचल पर सुभासपा का विशेष फोकस है। इसके जरिए वे लोक सभा में बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे हैं।

विधान सभा चुनाव में सपा के साथी रहे ओमप्रकाश राजभर ने अपनी राहें जुदा कर ली हैं। अब वे अकेले दम पर पार्टी को सियासी मजबूती देने में जुटे हैं। निकाय चुनाव की तैयारी को लेकर उन्होंने अपने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर दिया है। इसके पहले उन्होंने प्रदेश में सावधान यात्रा निकाल कर सुभासपा को जनता से जोड़ने की मुहिम भी चलायी थी। कई स्थानों पर जनसभाएं कीं और गरीब, पिछड़े वर्ग के अधिकारों की बात को जोरशोर से उठाया। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि गरीबों का बिजली बिल माफ होना चाहिए। साथ ही उन्होंने यूपी में शराबबंदी कानून लागू करने की मांग भी उठायी। नगर निकाय चुनाव को लेकर ओमप्रकाश राजभर ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि नगर निकाय चुनाव में उनकी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करेगी बल्कि हमारी पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा वे अपनी जनसभाओं में एक समान शिक्षा नीति को लागू करने, रोजगार परक शिक्षा देने की भी वकालत कर चुके हैं। सुभासपा की नजर लोक सभा चुनाव पर भी है। अपने पूर्वांचल के किले को बचाने के लिए सपा से अलग होकर अब सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने पार्टी की राजनीतिक गाड़ी की ड्राइविंग सीट खुद संभाल रहे हैं।

विधानसभावार कोआर्डिनेटर नियुक्त किये

संगठन की मजबूती के लिए विधानसभावार कोआर्डिनेटर नियुक्त किए गए हैं। डॉ. जेपी सिंह को जफराबाद का प्रभारी व उनके साथ डॉ सुनील राजभर व जितेंद्र राजभर को कोऑर्डिनेटर बनाया गया। केराकत विधानसभा को डॉ बलिराज राजभर व चंदन राजभर, बृजभान राजभर व बिरेन्द्र राजभर को शाहगंज तथा हरिलाल राजभर व मोतीलाल राजभर को मड़ियाहूं का प्रभारी बनाया गया।

भाजपा से बढ़ा रहे संपर्क

सपा से गठबंधन तोड़ने के बाद राजभर भाजपा के साथ एक बार फिर सियासी पींगे बढ़ा रहे हैं। वे कई बार सीएम योगी से मुलाकात कर चुके हैं। यही नहीं वे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के साथ मंच भी साझा कर चुके हैं। इससे सियासी गलियारों में चर्चा है कि वे लोक सभा चुनाव के पहले भाजपा के साथ जा सकते हैं।

ये है सियासी समीकरण

उत्तर प्रदेश की राजनीति में दबदबा रखने वाली पिछड़ी जातियों में राजभर समाज की आबादी करीब चार फीसद है। 403 विधानसभा सीटों में सौ से अधिक सीटों पर राजभर समाज का ठीक-ठाक वोट है। खासतौर से पूर्वांचल के दो दर्जन से अधिक जिलों की 100 से अधिक सीटों पर राजभर मतदाता हार-जीत तय करते हैं। सुभासपा की बंसी, आरख, अर्कवंशी, खरवार, कश्यप, पाल, प्रजापति, बिंद, बंजारा, बारी, बियार, विश्वकर्मा, नाई और पासवान जैसी उपजातियों पर भी मजबूत पकड़ मानी जाती है।

योगी सरकार ने निवेशकों के लिए बिछाई रेड कारपेट, खोला पिटारा

नई औद्योगिक नीति में बड़े निवेशकों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए तेजी से जमीन उपलब्ध कराने का किया वादा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 से पूर्व योगी सरकार ने देश-विदेश के निवेशकों के लिए रेड कारपेट बिछा दी है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति में निवेशकों को आकर्षित करने का पूरा पैकेज समाहित है। नई औद्योगिक नीति में बड़े निवेशकों को औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए तेजी से जमीन उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। विदेश में स्थापित उद्योगों को वहां से हटाकर उप्र में स्थापित करने पर भी प्रोत्साहन देने की व्यवस्था की गई है। बीमार उद्योगों और निवेश करने वाली इकाइयों का अधिग्रहण करने वाले निवेशकों को भी प्रोत्साहन देने का प्रविधान किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उप्र औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 को मंजूरी दी गई।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि नई नीति पांच साल के लिए प्रभावी होगी। अधिक रोजगार देने के साथ ही महिलाओं के ज्यादा रखने और स्थानीय लोगों से कच्चा माल खरीदने वाली इकाइयों को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। अधिसूचना से दो माह की अवधि में इसके क्रियान्वयन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त अरविंद कुमार ने बताया कि नई नीति बनाने में विभिन्न राज्यों की औद्योगिक नीति का अध्ययन किया गया। उनमें जो कुछ भी अच्छा था, उसे लेते हुए उत्तर प्रदेश में सबसे बेहतर नीति लागू करने का प्रयास किया गया है।

चार प्रमुख श्रेणियों में बांटे गए निवेशक

वृहद : 50 करोड़ रुपये से अधिक लेकिन 200 करोड़ रुपये से कम
मेगा : 200 करोड़ रुपये या उससे अधिक किंतु 500 करोड़ रुपये से कम
सुपर मेगा : 500 करोड़ रुपये या उससे अधिक लेकिन 3000 करोड़ रुपये से कम
अल्ट्रा मेगा : 3000 करोड़ रुपये या उससे अधिक

विदेश से आने वाली इकाइयों को भी प्रोत्साहन

यदि विदेश में संचालित कोई औद्योगिक इकाई वहां से हटकर उप्र में स्थापित होना चाहती है तो उसके प्लांट और मशीनरी की 40 प्रतिशत लागत को परियोजना लागत में जोड़कर उसके आधार पर प्रोत्साहन दिया जाएगा। नई नीति में सुपर मेगा या उससे अधिक की निवेश परियोजनाओं के लिए फास्ट-ट्रैक भूमि आवंटन का प्राविधान किया गया है। यह आवंटन औद्योगिक विकास प्राधिकरण या विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में किया जाएगा। बीमार उद्योगों का अधिग्रहण करने वाली इकाइयों को उनकी अधिग्रहण लागत के 20 प्रतिशत हिस्से को परियोजना लागत में जोड़कर प्रोत्साहन दिया जाएगा।

निवेश प्रोत्साहन सब्सिडी के तीन विकल्प

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त अरविंद कुमार ने बताया कि चारों श्रेणियों के निवेशकों को निवेश प्रोत्साहन सब्सिडी के अंतर्गत तीन विकल्प दिए जाएंगे जिनमें से किसी एक को चुनना होगा। इनमें पूंजीगत सब्सिडी, शुद्ध एसजीएसटी प्रतिपूर्ति और उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआइ) टाप-अप सब्सिडी शामिल है।

लैंड बैंक सृजन को प्रोत्साहन

नीति के तहत निजी उद्योगों की स्थापना के लिए गैर कृषि, बंजर तथा अन्य पात्र श्रेणी की ग्राम समाज भूमि उपलब्ध कराने के भी उपाय किए गए हैं। यदि कोई किसान या व्यक्ति औद्योगिक परियोजना की स्थापना के लिए अपनी जमीन बेचना या लीज पर देना चाहता है तो इसकी जानकारी वह सरकार की ओर से विकसित किए जाने वाले पोर्टल पर दर्ज करा सकेगा। राजस्व विभाग से जांच कराकर सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि जमीन विवाद रहित और किसी प्रकार की देयता से मुक्त है। निवेश करने वाली इकाई को खरीदने वाली उत्तराधिकारी इकाई को शेष अवधि के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा।

निजी औद्योगिक पार्कों के विकास को बढ़ावा

निवेश के क्षेत्र के आधार पर 45 करोड़ रुपये की सीमा के अधीन बुंदेलखंड और पूर्वांचल में 20 एकड़ या उससे अधिक तथा मध्यांचल व पश्चिमांचल में 30 एकड़ या उससे अधिक के निजी औद्योगिक पार्कों के लिए 25 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी। 100 एकड़ से अधिक के पार्कों के लिए सब्सिडी सीमा को बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये किया गया है। निजी औद्योगिक पार्कों में काम करने वाले लोगों के लिए डारमेट्री या हास्टल स्थापित करने के लिए 25 करोड़ रुपये की सीमा के अधीन 25 प्रतिशत सब्सिडी का प्रविधान भी किया गया है। इसके अलावा औद्योगिक पार्क के कुल प्रस्तावित भूमि क्षेत्र के 25 प्रतिशत अधिग्रहण पर लाइसेंस प्रदान किया जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जहरीली होती हवा और सरकारी तंत्र

सवाल यह है कि हर साल सर्दियों के मौसम में ही प्रभावित राज्यों की सरकारों को प्रदूषण की याद क्यों आती है? आज तक प्रदूषण से निपटने के लिए कोई कारगर उपाय क्यों नहीं किया गया? पलारी जलाने और अन्य कारकों का स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा सका है? क्या स्कूल बंद कर देने और अन्य उपचारात्मक कदम उठाने से समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा?

सर्दियों की दस्तक के साथ एक बार फिर दिल्ली-एनसीआर की हवा जहरीली हो गयी है। यहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। इसके कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। प्राइमरी स्कूलों को बंद कर दिया गया है। दिल्ली में पचास फीसदी सरकारी कर्मियों को वर्क फ्राम होम का आदेश दिया गया है। प्रदूषण का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है और इस पर दस नवंबर को सुनवाई होनी है। सवाल यह है कि हर साल सर्दियों के मौसम में ही प्रभावित राज्यों की सरकारों को प्रदूषण की याद क्यों आती है? आज तक प्रदूषण से निपटने के लिए कोई कारगर उपाय क्यों नहीं किया गया? पलारी जलाने और अन्य कारकों का स्थायी समाधान क्यों नहीं किया जा सका है? क्या स्कूल बंद कर देने और अन्य उपचारात्मक कदम उठाने से समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा? क्या बिना इच्छाशक्ति के प्रदूषण से निपटा जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट के तमाम आदेशों के बावजूद हालात लगातार बदतर क्यों हो रहे हैं? प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड क्या कर रहा है?

हर साल सर्दियों में दिल्ली और एनसीआर की हवा जहरीली हो जाती है। मामले की सुर्खियां बनने के बाद राज्य सरकारें चेतती हैं और कुछ उपचारात्मक कदम उठाकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री कर लेती हैं जबकि प्रदूषण पर नियंत्रण लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट कई बार सरकारों को फटकार लगा चुका है। इसके लिए गाइडलाइन तक जारी की जा चुकी है। बावजूद इसके प्रदूषण का स्तर हर साल बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण के कई कारण हैं। धान के अवशेष यानी पलारी जलाना इसमें प्रमुख है। पंजाब और अन्य राज्यों में पलारी जलाने के कारण निकलने वाला धुआं हवा को तेजी से प्रदूषित कर देता है। इसके अलावा सड़कों पर दौड़ रही कंडम गाडियां, कल-कारखानों से निकलने वाला धुआं और निर्माण सामग्री से भी प्रदूषण बढ़ता है। बावजूद इसके आज तक इस पर नियंत्रण लगाने के लिए कोई ठोस कार्ययोजना को अमल में नहीं लाया जा सकी है। प्रदूषण के दौरान भी गाइडलाइन का सख्ती से पालन नहीं कराया जाता है। लिहाजा धुआं और फॉग मिलकर स्मॉग बना देते हैं और यह प्रदूषण लेबल को खतरनाक स्तर तक पहुंचा देता है। सच यह है कि सरकार इतने सालों बाद भी इसका स्थायी समाधान नहीं तलाश सकी है। इसके कारण आम आदमी को प्रदूषण से राहत नहीं मिल पा रही है। यदि राज्य सरकारें प्रदूषण को कम करना चाहती हैं तो उन्हें इसका स्थायी समाधान निकालना होगा और साल भर प्रदूषण के लिए बनी गाइडलाइन का सख्ती से पालन कराना सुनिश्चित करना होगा। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकारों को इस पर मिलकर काम करना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भ्रष्टाचार मुक्ति को सभी का समर्थन जरूरी

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री बनते ही नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले भ्रष्टाचार मुक्त भारत का संकल्प लिया। उन्होंने न खाऊंगा और न खाने दूंगा का शंखनाद भी किया। भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के लिये कई कदम उठाये गये और उसके परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं लेकिन भ्रष्टाचार फिर भी खत्म नहीं हो रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने सरकारी संस्थानों, मंत्रालयों और नागरिकों के लिए छह बिंदुओं का सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र जारी किया है, जिसमें उनसे भ्रष्टाचार मुक्त भारत की संकल्पना के साथ जुड़ने की अपील की है। प्रश्न है कि सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र की आवश्यकता क्यों पड़ी, क्या इसका हश्र ढाक के तीन पात होना है? देश को भ्रष्टाचार मुक्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र 31 अक्टूबर से 6 नवम्बर 2022 तक आयोजित किये जाने वाले भ्रष्टाचार मुक्त भारत-विकसित भारत के जागृति अभियान का अभिनव उपक्रम है। प्रतिज्ञा पत्र में कहा गया है कि जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी से काम करेंगे, नियमों का पालन करेंगे। कभी रिश्वत नहीं लेंगे और न देंगे। सभी कार्य ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ करेंगे। जनहित में कार्य करेंगे। अपने आचरण में ईमानदारी दिखाएंगे। भ्रष्टाचार की घटना की सूचना संबंधित एजेंसी को देंगे। ये संकल्प जन-जन और प्रशासन में बैठे अधिकारी एवं कर्मचारी ले ले तो भ्रष्टाचार को समाप्त होने में देर नहीं लगेगी लेकिन छोटे-छोटे भ्रष्टाचार के साथ बड़े भ्रष्टाचार को भी नियंत्रित किया जाना जरूरी है। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक ऐसी क्रांति का शंखनाद किया है जिसमें प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी जैसी एजेंसियां सक्रिय हुई हैं, जिसने न केवल विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की चूलें हिला दी हैं बल्कि भ्रष्टाचार के प्रश्न पर भी प्रशासन-शक्ति को जागृत कर दिया है। आम आदमी पार्टी के मंत्री सत्येन्द्र जैन की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को पूछताछ के लिए तलब किया। अन्य नेता भी इसकी गिरफ्त में आये हैं। दरअसल, सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा पत्र ऐसे वक्त में जारी हुआ है, जब माना जाने लगा है कि सरकारी काम बिना लिए-दिए नहीं हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक मुहिम की जरूरत है, एक जागृति अभियान की आवश्यकता है। सरकारी जांच एजेंसी लगातार राज्यों से लेकर केंद्र में बैठे लोगों पर कार्रवाई

भी कर रही है, लेकिन उसका प्रभाव ज्यादा दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि आखिर इस भ्रष्टाचार को हवा कहां से मिल रही है? कौन लोग हैं जो सख्ती के बावजूद बेखौफ हैं। प्रशासनिक मशीनरी इसको क्यों नहीं रोक पा रही है?

सरकारी काम में विलम्ब या आम आदमी को परेशान करना भ्रष्टाचार को पोषित करने की जमीन है। भले ही अपेक्षित सारे काम करना सरकारी कर्मचारी-अधिकारी की जिम्मेदारी हो, फिर भी भ्रष्टाचार को शिष्टाचार एवं रिश्वत को सुविधा शुल्क मान लिया गया है और इसके लेन-देन को लेकर कहीं कोई अपराध बोध नहीं दिखाई देता। ऐसे में सवाल यही है कि आखिर इस भ्रष्टाचार को खत्म कैसे किया जाए? क्या सिर्फ इस तरह के प्रतिज्ञा पत्र से भ्रष्टाचार दूर होगा? असल में जरूरत है नीचे से लेकर ऊपर तक सुधार करने की। नीचे का व्यक्ति तभी सुधर सकता है, जब ऊपर बैठा हुआ व्यक्ति भी उस सुधार के लिए प्रेरित हो और भ्रष्टाचार के खिलाफ खड़ा हो। राष्ट्रीय स्तर पर 1971 के बाद भ्रष्टाचार ने देश में संस्थागत रूप ग्रहण कर लिया, विशेषत: राजनीतिक दलों में यह तेजी से पनपा। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि केंद्र सरकार गरीबों के लिये दिल्ली से जब एक रुपया गांवों में भेजती है तो सिर्फ 15 पैसे ही उन तक पहुंचते हैं। विडंबना तो यह है कि कुछ राजनीतिक दलों ने इसी भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करके सत्ता हासिल की और सत्ता पर बैठते ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो गये हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसके खिलाफ लड़ाई पूरे मन से शुरू हो। हर कोई अपने स्तर पर इसके खिलाफ खड़ा हो। शासन स्तर से लेकर पंचायत स्तर तक इसके खिलाफ माहौल बनना चाहिए तभी इसका फायदा आम आदमी को मिल पाएगा अन्यथा भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह चट करता रहेगा। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिये भ्रष्टाचार सबसे बड़ी बाधा है। सत्ता और संपदा के शीर्ष पर बैठकर यदि जनतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाता है तो वहां लोकतंत्र के आदर्शों की रक्षा नहीं हो सकती। राजनीति के शीर्ष पर जो व्यक्ति बैठता है उसकी दृष्टि जन पर होनी चाहिए पार्टी पर नहीं, धन पर नहीं। आज जन एवं राष्ट्रहित पीछे छूट गया और स्वार्थ आगे आ गया है। जिन राजनीतिक दलों को जनता के हितों की रक्षा के लिए दायित्व मिला है वे अपने कार्यों को सही ढंग से करें।

दुनिया में भारतवंशियों का बढ़ता प्रभुत्व

प्रभात सिन्हा

दशकों पहले ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने भारतीयों की नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता का उपहास उड़ाते हुए कहा था कि भारतीयों में नेतृत्व क्षमता नहीं होती है लेकिन भारत की आजादी के 75 वर्ष बाद आज उसी ब्रिटेन के प्रशासन की डोर एक भारतीय मूल के राजनेता के हाथों में है। ऋषि सुनक का ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनना एक ऐतिहासिक घटना है, जिससे सभी भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

सुनक से पहले भी कई भारतवंशी विभिन्न देशों के शासनाध्यक्ष बन चुके हैं, लेकिन भारतीय मूल के व्यक्ति का ब्रिटेन जैसे प्रमुख देश का प्रधानमंत्री बनना बहुत विशिष्ट है। हर बार भारतवंशियों की अंतरराष्ट्रीय पटल पर उल्लेखनीय सफलताएं भारतीयों की प्रतिभा के बढ़ते प्रभुत्व को सुदृढ़ करती हैं। भारतवंशी हर दिशा और विधा में धीरे-धीरे अपना प्रभुत्व बनाते जा रहे हैं। दस विभिन्न देशों में कुल 31 बार भारतीय मूल के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति रहे हैं। कई भारतीय वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, स्टेट सीनेटर यास्मीन ट्रूडो विश्व प्रसिद्ध नाम हैं। कनाडा जैसे प्रमुख देश में पिछले वर्ष के चुनाव में 17 भारतवंशी चुनाव जीतकर राजनीति में सक्रिय हैं। 2008 में छपे इकोनॉमिक टाइम्स के रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के विश्व प्रसिद्ध वैमानिकी और अंतरिक्ष संस्था नासा में 36 प्रतिशत वैज्ञानिक हैं। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजीशियंस ऑफ इंडियन ओरिजिन के 2019 के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका के 29.5 प्रतिशत चिकित्सक भारतीय मूल के हैं। यही स्थिति व्यवसाय क्षेत्र में भी है। जहां भारतीय मूल के व्यवसायियों द्वारा स्थापित व्यवसाय अग्रणी हो रहा है, वहीं विश्व की बड़ी कंपनियां भारतीय मूल के पेशेवरों को सर्वोच्च पदों पर नियुक्त कर रही हैं। गल्फ टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से 30 प्रतिशत में भारतीय सीईओ हैं और अमेरिका की सिलिकॉन वैली में नियुक्त इंजीनियरों में एक तिहाई भारत से हैं। ऐसे परिप्रेक्ष्य में भारतवंशियों के व्यवसाय और तकनीक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते प्रभुत्व की विवेचना आवश्यक हो जाती है।

भारतीय मूल के अरबपति व्यवसायियों की फेहरिस्त दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। भारतीय मूल के विश्व प्रसिद्ध उद्योगपतियों में आर्सेलर-मित्तल के लक्ष्मी मित्तल, जेडस्केलर के जय चौधरी, सन माइक्रोसिस्टम के पूर्व सहसंस्थापक विनोद खोसला, वेदांता रिसोर्सेज के अनिल अग्रवाल, सिम्फनी टेक्नोलॉजी ग्रुप के संस्थापक रोमेश वाधवानी शामिल हैं, साथ ही हजारों अप्रवासी भारतीय विदेशों में सफलतापूर्वक अपने व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। जहां भारतीय मूल के अरबपति उद्योगपतियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं फेहरिस्त में पहले से स्थापित उद्योगपतियों की नेट वर्थ और बाजार मूल्यांकन में तेज वृद्धि हो रही है। उदाहरण के तौर पर, विनोद खोसला का नेट वर्थ 2020 के 2.3 अरब अमेरिकी डॉलर से दो वर्ष में बढ़कर 5.3 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, वहीं रोमेश वाधवानी की कुल संपत्ति 2020 के 3.4 अरब डॉलर से बढ़कर 5.1 डॉलर तक पहुंच चुकी है। विदेशों में बसे भारतीय मूल के पेशेवरों और आम उद्यमियों की औसत आय निरंतर बढ़ रही हैं। ग्लोबल इंडियन टाइम्स के अक्टूबर, 2021 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका की 44 प्रमुख कंपनियों के सीइओ भारतीय हैं। आईटी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के सीइओ सत्या नडेला और प्रसिद्ध इंटरनेट कंपनी अल्फाबेट के सुंदर पिचाई भी भारतीय मूल के ही हैं। सॉफ्टवेयर कंपनी एडोब के शांतनु नारायण, आईबीएम के अरविंद कृष्ण, एलएमवेयर के रंगराजन रघुराम, अरिस्टा नेटवर्क की जयश्री उल्लाल, मास्टर कार्ड के अजयपाल सिंह बग्गा सहित अनेक भारतीय मूल के पेशेवर लोकप्रिय आईटी और तकनीकी कंपनियों का संचालन कर रहे हैं। पहले भारतीय पेशेवरों को तकनीकी व्यवसाय तक सीमित माना जाता था लेकिन बार्कलेज के सीएस वेंकटकृष्णन, खुदरा लक्जरी और आभूषण की प्रसिद्ध कंपनी चैनल की लीना नायर इत्यादि गैर आईटी क्षेत्र में भारतीय मूल के पेशेवर प्रभुत्व स्थापित कर रहे हैं। गल्फ टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, पूरी दुनिया के लगभग 10 फीसदी उच्च तकनीकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भारतीय मूल के हैं। प्रत्यक्ष तौर पर प्रवासी भारतीयों और भारतवंशियों का प्रभुत्व दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। प्रवासियों के मामले में सबसे ज्यादा लगभग 1.8 करोड़ भारतीय प्रवासी दूसरे देशों में रहते हैं। भारतीय अमेरिका के सबसे धनी और सफल अप्रवासी समूह हैं। अंतरराष्ट्रीय उद्योग विशेषज्ञ भारतीय उद्यमिता को विश्व के आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण इंजन बताते हैं। भारतीयों को किसी भी समाज या समूह में एकीकृत करने की कला बेहतर आती है। उन्हें तकनीक की अच्छी समझ होती है, जिसका उपयोग हर क्षेत्र को बेहतर बनाने में किया जा रहा है। भारतीयों के विश्व स्तर पर बढ़ते प्रभुत्व में अच्छी अंग्रेजी बोलना भी बड़ा कारण है. भारतीय अपने अनुशासन, कर्मठता, बेहतर रणनीति के लिए जाने जाते हैं। आज ऋषि सुनक को विपरीत राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में ही ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनाया गया है।

त्रिपुरासुर का वध होने की खुशी में मनायी जाती है

देव दीपावली

देव दीपावली का त्योहार हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है, जिसे त्रिपुरोत्सव और त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। देव दीपावली का त्योहार को हर साल भारत के पवित्र शहर वाराणसी में धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव ने राक्षस त्रिपुरासुर का वध किया गया जिसकी खुशी मे इस त्योहार को मनाया जाता है। देव दीपावली के दिन श्रद्धालु पवित्र गंगा नदी में स्नान करते हैं और शाम के समय दीये जलाए जाते हैं। देव दीपावली के दिन सूर्यास्त के बाद गंगा नदी के किनारे लाखों दीये जलाए जाते हैं। इस साल देव दीपावली का त्योहार 7 नवंबर 2022, सोमवार के दिन मनाया जाएगा। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है जिस कारण इस दिन का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है। आइए जानते हैं देव दीपावली का शुभ मुहूर्त, योग और दीपदान का महत्व।

शुभ मुहूर्त

- देव दीपावली सोमवार, नवम्बर 7, 2022 को
- पूर्णिमा तिथि प्रारम्भ - नवम्बर 07, 2022 को शाम 4 बजकर 15 मिनट से शुरू
- पूर्णिमा तिथि समाप्त - नवम्बर 08, 2022 को शाम 04 बजकर 31 मिनट पर खत्म
- प्रदोषकाल देव दीपावली मुहूर्त - शाम 05 बजकर 14 मिनट से शाम 07 बजकर 49 मिनट तक
- अवधि- 2 घंटे 32 मिनट

शुभ संयोग

इस साल देव दीपावली पर कई शुभ संयोग बनने जा रहे हैं। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजे से लेकर 5 बजकर 51 मिनट तक रहेगा। अभीजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 39 मिनट से लेकर 12 बजकर 45 मिनट तक रहेगा। अमृत काल शाम 5 बजकर 15 मिनट से लेकर 6 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। रवि योग सुबह 6 बजकर 41 मिनट से लेकर 12 बजकर 37 मिनट तक रहेगा। इसके साथ ही विजय मुहूर्त शाम 2 बजकर 16 मिनट से लेकर शाम 3 बजकर 1 मिनट तक रहेगा।

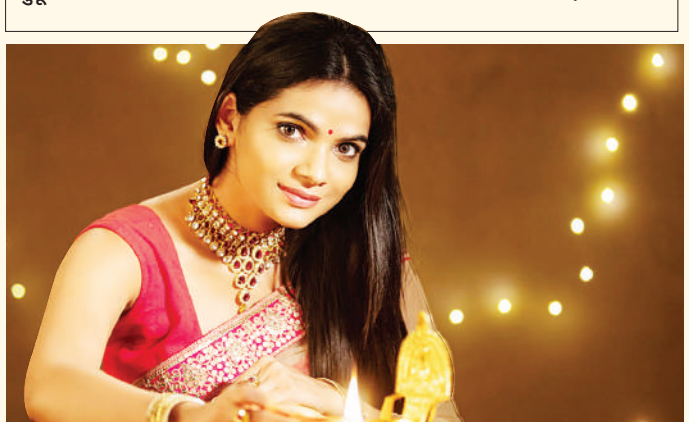

क्यों किया जाता है दीपदान?

कार्तिक पूर्णिमा के दिन पवित्र नदी के जल से स्नान करके दीपदान करना चाहिए। पर ये दीपदान नदी के किनारे किया जाता है। इसका दीपावली से कोई संबंध नहीं है। लोकाचार की परंपरा होने के कारण वाराणसी में इस दिन गंगा किनारे वृहद स्तर पर दीपदान किया जाता है। इसको वाराणसी में देव दीपावली कहा जाता है।

पूजा विधि

इस दिन सुबह जल्दी उठकर गंगा नदी में स्नान करें अगर ऐसा संभव नहीं है तो पानी में गंगाजल डालकर स्नान किया जा सकता है। इसके बाद मंदिर की अच्छे से सफाई करें और भगवान शिव समेत सभी देवताओं का ध्यान करते हुए पूजा करें। इसके बाद शाम के समय किसी नदी के किनारे दीपदान करें। आप आपके आसपास कोई नदी नहीं है तो आर मंदिर में जाकर भी दीपदान कर सकते हैं। इसके बाद भगवान शिव की विधिवत तरीके से पूजा करें।

क्यों कहा जाता है इसे देव दीपावली?

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर राक्षस का वध किया था। यह घटना कार्तिक मास की पूर्णिमा को हुई थी। त्रिपुरासुर के वध की खुशी में देवताओं ने काशी में अनेकों दीये जलाए। यही कारण है कि हर साल कार्तिक मास की पूर्णिमा पर आज भी काशी में दिवाली मनाई जाती है। क्योंकि ये दीवाली देवों ने मनाई थी, इसीलिए इसे देव दिवाली कहा जाता है।

भगवान शिव की पूजा का है महत्व

इस दिन को त्रिपुरी पूर्णिमा भी कहा जाता है क्योंकि इस दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर का वध किया था। ऐसे में इस दिन भगवान शिव की पूजा का खास महत्व होता है। देव दीपावली के दिन भगवान शिव की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन उपवास रखकर शिव जी की पूजा करनी चाहिए और रातभर जगकर भगवान शिव की उपासना करनी चाहिए।

हंसना मना है

मंगलसूत्र पहनने के बाद मंगल पती के पीछे और और सारे सूत्र पत्नी के पास चले जाते है।

रोज सुबह पती-पत्नी 10 मिनट तक जोर-जोर से लड़ें यदी उसके बाद भी आपकी साँस ठीक से चलती रहे तो इसका मतलब आप करोना मुक्त हैं।

इंसान को उतने ही पैर पसारने चाहिए जितनी चदर हो नहीं तो पैर में मच्छर काट सकते हैं।

चाणक्य तो रहे नहीं सोचा मैं ही बता दूं। पत्नियों के किसी भी काम में पती की सलाह उतनी ही फालतू है जितना Tea शब्द में ea

योग गुरू- क्या योग करने से आपके पति के शराब पीने में कोई बदलाब आया? महिला- हां अब वो सर के बल खड़े होकर शराब पी लेते हैं

सबसे सख्त व्यापारी होता है पानीपूरी बाला लडकी कितनी भी स्माइल दे लेकिन बन्दा कभी गिनती नहीं भूलता।

पप्पू- तुम ऑप्रेशन कराये बिना ही अस्पताल से क्यों भाग आये? चिंटू- नर्स बार-बार कह रही थी कि डरो मत , हिम्मत रखो, कुछ नहीं होगा, ये तो बस एक छोटा सा ओपरेशन है। पप्पू- तो इस में डरने वाली कौन सी बात है, सही ती कह रही थी नर्स चिंटू- साले, वो मुझ से नहीं डाक्टर से कह रही थी।

कहानी | सिंह और सियार

वर्षों पहले हिमालय की किसी कन्दरा में एक बलिष्ठ शेर रहा करता था। एक दिन वह एक भैंसे का शिकार और भक्षण कर अपनी गुफा को लौट रहा था। तभी रास्ते में उसे एक मरियल-सा सियार मिला जिसने उसे लेटकर दण्डवत् प्रणाम किया। जब शेर ने उससे ऐसा करने का कारण पूछा तो उसने कहा, सरकार मैं आपका सेवक बनना चाहता हूँ। कृपया मुझे आप अपनी शरण में ले लें। मैं आपकी सेवा करुँगा और आपके द्वारा छोड़े गये शिकार से अपना गुजर-बसर कर लूंगा। शेर ने उसकी बात मान ली और उसे मित्रवत अपनी शरण में रखा। कुछ ही दिनों में शेर द्वारा छोड़े गये शिकार को खा-खा कर वह सियार बहुत मोटा हो गया। प्रतिदिन सिंह के पराक्रम को देख-देख उसने भी स्वयं को सिंह का प्रतिरुप मान लिया। एक दिन उसने सिंह से कहा, अरे सिंह! मैं भी अब तुम्हारी तरह शक्तिशाली हो गया हूं। आज मैं एक हाथी का शिकार करुंगा और उसका भक्षण करुंगा और उसके बचे-खुचे मांस को तुम्हारे लिए छोड़ दूंगा। चूंकि सिंह उस सियार को मित्रवत् देखता था, इसलिए उसने उसकी बातों का बुरा न मान उसे ऐसा करने से रोका। भ्रम-जाल में फंसा वह दंभी सियार सिंह के परामर्श को अस्वीकार करता हुआ पहाड़ की चोटी पर जा खड़ा हुआ। वहां से उसने चारों ओर नजरें दौड़ाई तो पहाड़ के नीचे हाथियों के एक छोटे से समूह को देखा। फिर सिंह-नाद की तरह तीन बार सियार की आवाजें लगा कर एक बड़े हाथी के ऊपर कूद पड़ा। किन्तु हाथी के सिर के ऊपर न गिर वह उसके पैरों पर जा गिरा। और हाथी अपनी मस्तानी चाल से अपना अगला पैर उसके सिर के ऊपर रख आगे बढ़ गया। क्षण भर में सियार का सिर चकनाचूर हो गया और उसके प्राण पखेरु उड़ गये। पहाड़ के ऊपर से सियार की सारी हरकतें देखता हुआ सिंह ने तब यह गाथा कही होते हैं जो मूर्ख और घमंडी, होती है उनकी ऐसी ही गति।

सीख : घमंड और मूर्खता का साथ बहुत गहरा होता है, इसलिए कभी भी जिंदगी में किसी भी समय घमंड नहीं करना चाहिए।

5 अंतर खोजें

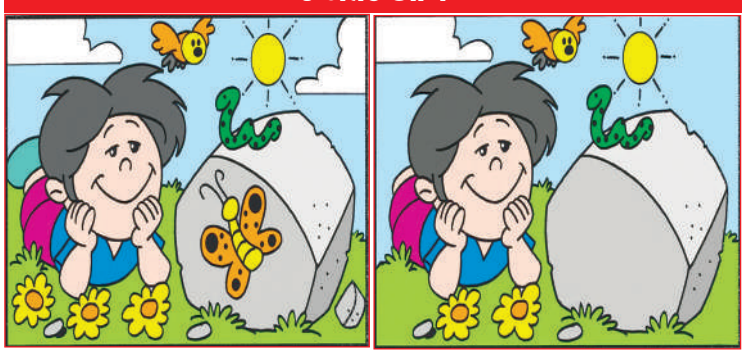

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

घर पर काम करते समय खास सावधानी बरतें। घरेलू चीजों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

वृषभ

आज खुद के लिए पर्याप्त समय रहेगा, जिसका आप पूरा फायदा उठायेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है, धनलाभ के बेहतर अवसर मिलेंगे।

मिथुन

मेहमानों का आना दिन को बढ़िया बना देगा। भोलेनाथ की कृपा दृष्टि लगातार बनी रहेगी। नया काम शुरू करने के लिए समय आपके अनुकूल है।

कर्क

अपने काम-से-काम रखना बेहतर रहेगा। कम दखल दें, नहीं तो इससे निर्भरता बढ़ सकती है। अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें।

सिंह

आज जिस काम को आप शुरू करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन सकारात्मक रहेगा।

कन्या

परिवार के सदस्यों और मित्रों के साथ आप खूब मस्ती करेंगे। जरूरत से ज्यादा वक़्त और पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। किताबों को पढ़े।

तुला

निवेश को सावधानीपूर्वक अंजाम दें और गैर-जरूरी नुकसान से बचने के लिए उचित सलाह लेने में न हिचकिचाएं। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है।

वृश्चिक

दिन बेहतरीन रहेगा। कोई जरूरी काम आसानी से पूरा हो सकता है। मित्रों से मिलने का मौका मिलेगा। कहीं घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं।

धनु

मानसिक अशांति का अनुभव हो सकता है। वाणी की मधुरता से अन्य लोगों को प्रभावित कर पाएंगे। पूंजी निवेश में ध्यान रखें।

मकर

अगर आप सूझ-बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं। घर में आपको अपने बेपरवाह रवैये की वजह से आलोचना का सामना करना पड़े।

कुम्भ

आज आपकी कड़ी मेहनत रंग लाएगी। काम के लिहाज से आज का दिन बेहतर है। सभी कामों में सफलता हासिल होगी। आज माता का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन

दूसरों की जरूरतों पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। आज अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएं, तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचें।

बॉलीवुड | मन की बात

डबल एक्सएल के लिए बढ़ाना पड़ा था 20 किलो वजन : हुमा

हुमा कुरैशी, जहीर इकबाल और सोनाक्षी सिन्हा स्टारर फिल्म डबल XL4 नवंबर को बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सतराम रमानी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म से क्रिकेटर शिखर धवन अपना फिल्मी करियर में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। अपने रोल को बेहतर बनाने के लिए जहां हुमा ने 20 किलो तो वहीं सोनाक्षी सिन्हा ने 15 किलो से ज्यादा का वजह बढ़ाया है। हाल ही में हुमा कुरैशी ने अपनी अपकमिंग फिल्म से जुड़े एक्सपीरिएंस के बारे में बात की। हुमा बताती हैं- लिटरली, एक छोटी-सी बातचीत से इस पिक्चर की शुरुआत हुई और नतीजा आज हम सबके सामने है। आई थिंक, कहीं न कहीं मैं और सोनाक्षी इस इश्यू से बहुत आइडेंटिफाई करते हैं, क्योंकि हम दोनों का करियर जब शुरू हुआ, तब बहुत सारी कॉमन बातें थीं। लेकिन हम दोनों अपना काम बखूबी से करते गए। मुझे लगता है कि यह बहुत ही पर्सनल फिल्म है। ऐसा बहुत सारी यंग लड़के-लड़कियों के साथ होता है कि कैसे वे अपना ड्रीम अचीव करना चाहते हैं, पर उनके आत्म सम्मान, आत्मविश्वास को कैसे ठेस पहुंचाई जाती है। मैं राजश्री त्रिवेदी का किरदार प्ले कर रही हूं, जो मेरठ की लड़की है। वह छोटे शहर से है, पर उसे क्रिकेट को बहुत शौक है। वह स्पोर्ट्स कमेंटेटर बनना चाहती है। लेकिन उसे पता नहीं है कि यह मेल की दुनिया है। इसके बावजूद उसकी साइज को लेकर बोला जाता है कि तुम कैसे बन सकती हो। इतनी मोटी लड़की हो, टीवी के सामने उसकी जगह नहीं है। उस बात से कैसे टूट जाती है और सोनाक्षी के कैरेक्टर से जाकर कैसे मिलती है। स्कूल-कॉलेज से ज्यादा आई थिंक, इंडस्ट्री में आने के बाद नोटिस किया कि लड़कियों पर बहुत ज्यादा प्रेशर है। स्पेशली, एक प्रोड्यूसर ने तो मुझे कहा भी था कि हुमा कुरैशी बहुत अच्छी अदाकारा हैं, पर शायद पांच किलो ज्यादा हैवी हैं।

मिली की स्क्रीनिंग में रेखा को देख इमोशनल हुईं जाह्नवी कपूर

जाह्नवी कपूर की फिल्म मिली की स्क्रीनिंग गुरुवार को हुई। इस इवेंट में बॉलीवुड की कई हस्तियां शामिल हुईं। इन सबके बीच एक शख्सियत ने सबका ध्यान खींचा, वह थीं रेखा। रेखा साधारण तौर पर किसी स्क्रीनिंग में नहीं जातीं। मिली की स्क्रीनिंग रेखा अपनी पर्सनल असिस्टेंट फरजाना के साथ पहुंची थीं। उनको देखकर जाह्नवी काफी खुश हो गईं। बोनी-श्रीदेवी की बेटी रेखा के गले मिलीं और उनके कान में कुछ कहा। वीडियो में ऐसा लग रहा है कि जाह्नवी रेखा की साड़ी की भी तारीफ कर रही हैं। मिली में जाह्नवी के साथ विकी कौशल के भाई सनि कौशल भी हैं। उन्होंने रेखा के पैर छुए। बोनी रेखा को रिसीव करने गेट पर पहुंचे थे। जब जाह्नवी रेखा से मिलने आईं तो उनके आंखों में चमक देखी जा सकती थी। वहीं रेखा की आंखों में भी श्रीदेवी-बोनी की बेटी के लिए प्यार दिखा। जाह्नवी रेखा के गले लगीं और कान में बोलीं, आप सोच भी नहीं सकतीं कि मैं कितनी खुश हूं। इसके बाद उन्होंने रेखा की साड़ी की तारीफ की। सबसे इंट्रेस्टिंग बात रेखा जाह्नवी के लिए गिफ्ट लेकर आई थीं।

बॉलीवुड | मसाला

'यशोदा' ने रिलीज से पहले ही कमाए 45 करोड़

समंथा रुथ प्रभु साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक हैं। जबसे उन्होंने 'फैमिली मैन 2' सीरीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया, तब से वे दूसरी भाषा की फिल्मों में भी काम करने की कोशिश कर रही हैं। फिलहाल वे अपनी फिल्म 'यशोदा' के रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं जो 11 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म सरोगेसी मुद्दे पर आधारित एक एक्शन पैक्ड थ्रिलर है जिसमें सामंथा जबरदस्त स्टंट करते भी नजर आएंगी। फिल्म के पावर पैक ट्रेलर ने दर्शकों की एक्साइटमेंट दोगुनी कर दी है। दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही करोड़ों का मुनाफा कर लिया है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसी अटकलें हैं कि सामंथा रूथ प्रभु की फिल्म यशोदा ने ओटीटी और सैटेलाइट अधिकारों को भारी कीमत पर बेचा है। कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स की नजर यशोदा पर थीं, लेकिन उसने अपने राइट्स अमेजन प्राइम को 45 करोड़ रुपए में बेच दिए। हालांकि अभी तक डिजिटल प्लेटफॉर्म रिलीज की तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन इतना जरूर पता चला है कि फिल्म दिसंबर 2022 से स्ट्रीम होगी। 'यशोदा' में सामंथा रूथ प्रभु एक यंग फीमेल की भूमिका निभाती नजर आएंगी, जो एक सेरोगेट रैकेट के जाल में फंस जाती है, लेकिन बाद में वो बदलावों से गुजरती हुई दिखाई देगी। फिल्म के ट्रेलर में एक्ट्रेस कई तरह की मुश्किलों का सामना करते नजर आती हैं, उन पर जानलेवा हमले भी होते हैं लेकिन वे हर कीमत पर उनकी कोख में पल रहे बच्चे को बचाने की कोशिश करती हैं। आपको बता दें कि तेलुगू सहित यशोदा पांच अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगी। सामंथा की पर्सनल लाइफ को लेकर बात करें तो वे इन दिनों सेहत संबंधी समस्या से जूझ रही हैं।

अजब-गजब | कोई पहनता है पीला हेलमेट तो किसी के सिर पर होता है सफेद!

अलग-अलग रंगों के हेलमेट क्यों पहनते हैं

आपने अक्सर कई जगहों पर लोगों को रंगीन हेलमेट या फिर हार्ड हैट पहने देखा होगा। ये तो तय है कि इन्हें सुरक्षा के नजरिए से पहना जाता है जिससे सिर बचा रहे और उसपर कोई चीज ना गिरे या उसे चोट ना पहुंचे। पर इनके रंग अलग-अलग क्यों होते हैं? क्या ये सिर्फ इस कारण से कि कर्मचारियों को अलग लुक देने के लिए या फिर इसके पीछे कोई और वजह है? आज हम आपको बताएंगे हार्ड हैट के रंगों का अर्थ और ये भी कि अलग-अलग रंगों की कब पड़ती है जरूरत। यहां एक बात जान लेना जरूरी है कि 1930 के दशक में जब अमेरिका में बड़े स्तर पर इमारतों का निर्माण कार्य शुरू हुआ था, उसी वक्त रंगीन हेलमेट का चलन भी शुरू हुआ। ये हेलमेट कंस्ट्रक्शन साइट के लिए ही बनाए जाते हैं। अब इन्हें फैक्ट्रियों में भी इस्तेमाल किया जाने लगा है। आम लोगों के लिए इन रंगों को जान लेना इसलिए जरूरी है क्योंकि अगर आप कभी किसी कंस्ट्रक्शन साइट पर मौजूद हैं या आपके अपार्टमेंट में कोई मरम्मत का काम चल रहा हो और आप के घर की लाइट चली जाए तो आप दूर से ही देखकर पता लगा सकते हैं कि सारे कर्मियों में से आपको किस्से संपर्क करना है। निर्माणाधीन साइट पर सफेद हार्ड हैट सुपरवाइजर, मैनेजर या ऊंचे पोस्ट के लोग पहनते हैं, जिनके अंडर में अन्य लोग कम करते हैं और उनकी ये जिम्मेदारी होती है कि

वो दूसरों की सुरक्षा करें। सफेद हेलमेट गर्मी के दिनों में सुपरवाइजर का दिमाग ठंडा रखता है जिससे वो निर्माण की प्लानिंग अच्छे से कर पाएं। कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री में पीला हेलमेट वो लोग पहनते हैं जो मैनुअल लेबर में लगे होते हैं। उनका काम भारी मशीन चलाने में, गड्ढे खोदने में या फिजिकल टास्क करने का होता है। पीला हेलमेट देखकर ये पता लग जाता है कि व्यक्ति कंस्ट्रक्शन वर्कर है। ऐसे में उसे कभी भी डिस्टर्ब नहीं करना चाहिए। बढ़ई, टेक्निकल ऑपरेटर या बिजलीकर्मी नीला हेलमेट पहनते हैं। आम कर्मियों के लिए नीली हार्ड हैट काफी कॉमन होती है। नीला रंग ये दर्शाता है कि उनके पास किसी काम को करने की काफी एक्सपटीज और ट्रेनिंग है। हरे रंग (की हार्ड हैट किसी साइट पर सेफ्टी इंस्पेक्टर के लिए होती है या फिर किसी नए कर्मचारी के लिए जो उस साइट पर नया आया है। प्रोबेशनरी स्टाफ भी ग्रीन हेलमेट पहनता है। नारंगी या ऑरेंज रंग का हेलमेट सामानों को उठाने में मदद करने वाले लोग पहनते हैं या फिर ट्रैफिक मार्शल और सिग्नल में मदद करने वाले कर्मी। जब साइट पर क्रेन चलाने वाले को बेहद भारी सामान क्रेन की मदद से उठाना पड़ता है तब यही लिफ्टिंग ऑपरेटर्स उनको सामान उठाने में सहायता करते हैं और गाइड करते चलते हैं। कंस्ट्रक्शन साइट पर कई फायर मार्शल होते हैं जिनकी जिम्मेदारी उस जगह पर आग को दूर रखना और उससे लोगों को बचाना होता है। उनके अलावा आम फायर ब्रिगेड के कर्मी भी लाल हेलमेट ही पहनते हैं। ये रंग दूर से दिख जाता है। भूरे रंग की हार्ड हैट या मोटा हेलमेट वेल्डर या वो कर्मी पहते हैं जिनका काम अत्याधिक गर्मी या आग के पास रहने का है। वेल्डिंग करने वालों के हैट में आंखों पर भी सेफ्टी के लिए चश्मे जैसी शील्ड लगी होती है जो चिंगारी को आंखों में नहीं पड़ने देती। मतौर पर पिंक हार्ड हैट कंस्ट्रक्शन साइट पर कम ही देखने को मिलता है पर जिन जगहों पर ये होता है, वहां महिलाएं इसे पहनती हैं। पिंक रंग को महिलाओं से जोड़कर देखा जाता है, ऐसे में पिंक हेलमेट महिला कर्मियों के लिए बना होता है। कई बार पिंक हेलमेट कुछ वक्त के लिए वो कर्मी भी पहन लेते हैं जो अपना हेलमेट घर भूल आए हों या खो दिया हो।

इमरान खान की रैली में भाग गया दूल्हा, इंतजार करती रह गई दुल्हन

पाकिस्तान भी गजब का देश है। किसी नेता को लेकर ऐसी दीवानगी आपने पहले कभी नहीं देखी होगी। क्या आपने कभी सुना है कि कोई शख्स अपनी शादी को छोड़ कर किसी नेता की रैली में पहुंच जाए? शायद नहीं सुना होगा। लेकिन पाकिस्तान के एक शख्स ने सारी हदें पार कर दी। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के रैली में शामिल होने के लिए अपने निकाह की कुर्बानी कर दी। बेचारी दुल्हन सजधज कर उसके इंतजार में बैठी है। और तो और घरवालों को भी इसकी परवाह नहीं है। उनका कहना है कि शादी को होती रहेगी। सिदरा नदीम नाम की दुल्हन ने यूट्यूबर सैयद बासित अली को बताया कि उसकी शादी एजाज नाम के शख्स से हो रही है। दोनों की लव मैरेज होने वाली थी। लेकिन दूल्हा पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की रैली में शामिल होने के लिए शादी से भाग गया। बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान विरोध मार्च का आयोजन कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में उनके कंटेनर-ट्रक पर हमला किया गया, जिसमें उनके पैर में गोली लग गई। एजाज ने अपनी शादी के बदले रैली को चुना, जिससे सिदरा ने इमरान खान के आजादी मार्च को दूल्हा चोरी मार्च का नाम दे दिया। उन्होंने कहा कि वो अपनी शादी की पोशाक पहनकर एजाज का इंतज़ार करेगी। उन्होंने कहा कि दूल्हे के अचानक शादी से चले जाने से काफी नुकसान हुआ है क्योंकि खानपान, वेन्यू बुकिंग पहले से हो रखी थी। सिदरा ने इमरान खान से अपने होने वाले पति को वापस भेजने की अपील की ताकि वे शादी कर सकें। इमरान खान के समर्थक सिदरा को लगता है कि एजाज की पाकिस्तान और इमरान खान के प्रति अधिक भक्ति है। सिदरा को ये भी कहते हुए सुना जाता है कि वह एजाज के साथ भविष्य की रैलियों में शामिल होंगी। सिदरा को यकीन है कि जल्द ही लौटेगा और उनकी शादी होगी।

कांग्रेस ने काम किया होता तो नहीं मांगनी पड़तीं सड़कें : गडकरी

» भाजपा सरकार ने सड़क बनवाने में बनाए छह वर्ल्ड रिकॉर्ड

» हिमाचल के रास्ते अच्छे होंगे तो बढ़ेगा पर्यटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिलासपुर। केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं जहाजरानी मंत्री नितिन गडकरी ने बरठीं जनसभा में कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, स्वाधीनता के 75 साल बाद भी जनता को यह कहना पड़ रहा है कि हमें सड़क चाहिए, पुल चाहिए, पानी चाहिए। यह सुनकर दुख भी होता है और आश्चर्य भी। कांग्रेस ने देश पर 65 साल राज किया, अगर उन्होंने बेहतर तरीके से कार्य किया होता तो आज यह दिन देखने नहीं पड़ते। उनके राज में दो किलोमीटर सड़क बनती थी अब हम 40 किलोमीटर बना रहे हैं। हमारे विभाग ने छह वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किए हैं।

उन्होंने कहा कि हम दिल्ली से हरिद्वार दो घंटे, दिल्ली से जयपुर दो घंटे, अमृतसर चार घंटे में, दिल्ली से कटरा छह घंटे में, श्रीनगर आठ घंटे में पहुंच रहे हैं। अब एशिया की सबसे बड़ी टनल जोजिला का 50 फीसदी काम पूरा हो गया है। जोजिला टनल से लद्दाख लेह के लिए चार टनल बना रहे हैं। वहां से मनाली आएंगे। बचपन में मनाली आया था, रोहतांग जाने के लिए तीन घंटे लगे थे। अब अटल टनल बनने से आठ मिनट लगते हैं। लेह से श्रीनगर पूरा पर्यटन के लिए खुल जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन कैनेडी ने कहा था कि अमेरिका धनवान है, इसलिए अमेरिका के रास्ते अच्छे नहीं हुए लेकिन अमेरिका के रास्ते अच्छे हैं इसलिए अमेरिका धनवान हुआ। हिमाचल के रास्ते अच्छे होंगे तो प्रदेश में पर्यटन बढ़ेगा, उद्योग बढ़ेगा और जवान लड़कों के हाथों को काम मिलेगा। केवल देवभूमि नहीं, देव की समृद्ध और संपन्न भूमि बनकर हिमाचल देश भर में याद किया जाएगा।

कांग्रेस के प्रचार में जुटी प्रियंका, करेंगी जनसभाएं

» 7 को हमीरपुर और ऊना, 10 को शिलाई में होगी रैली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए कांग्रेस का प्रचार भी तेजी पकड़ने लगा है। 7 नवंबर को कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी हमीरपुर और ऊना जिले के कांगड़ में जनसभा करेंगी। शाम को उनका गगरेट में रोड शो होगा।

10 नवंबर को सुबह शिलाई विधान सभा क्षेत्र के तहत सतौन में प्रियंका गांधी की रैली होगी। दोपहर बाद राजधानी शिमला में प्रियंका गांधी का रोड शो होगा। पार्टी के नव नियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे आठ नवंबर को शिमला पहुंचेंगे। यहां पार्टी नेताओं के साथ खड़गे की बैठक प्रस्तावित है। नौ नवंबर को खड़गे शिमला ग्रामीण के तहत बनूटी और नालागढ़ हलके में चुनावी रैलियां करेंगे। पार्टी का युवा चेहरा सचिन पायलट के भी हिमाचल में चुनाव प्रचार का अगला शेड्यूल तैयार किया जा रहा है।

प्रदूषण के खिलाफ एक्शन में दिल्ली की आप सरकार

» पचास फीसदी सरकारी कर्मी घर से करें काम: गोपाल राय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में सरकारी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम के आदेश जारी कर दिए गए हैं। 50 फीसदी कर्मचारी वर्क फ्रॉम होम करेंगे। निजी दफ्तरों में भी 50 प्रतिशत घर से काम किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने इसकी जानकारी दी।

प्रदूषण को लेकर बुलाई हाई लेवल मीटिंग के बाद पर्यावरण मंत्री ने कहा कि दिल्ली में ट्रकों की एंट्री पर रोक लगाई है। सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को ही दिल्ली की सीमा में प्रवेश मिलेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रिक ट्रकों को भी अनुमति मिलेगी। राय ने कहा कि फिलहाल डीजल वाहनों पर भी रोक लगाई गई है। दिल्ली में 500 प्राइवेट पर्यावरण बसें चलेंगी। बीएस-6 गाड़ियों को ही दिल्ली में प्रवेश मिलेगा। वायु प्रदूषण को लेकर छह सदस्यीय निगरानी कमेटी का गठन किया गया है। इसके अलावा मार्केट खुलने के समय पर भी विचार किया जा रहा है।

सोरेन को ईडी के समन पर बोले तेजस्वी

2024 तक ऐसा ही होता रहेगा हमें मजबूती से लड़ना होगा

» बिहार के डिप्टी सीएम ने भाजपा पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी द्वारा तलब किए जाने पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हर जगह ऐसा ही हो रहा है। 2024 तक ऐसा ही होता रहेगा। हमें मजबूती के साथ लड़ाई लड़नी है और सब लड़ रहे हैं।

इससे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री कथित अवैध खनन घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से समन भेजे जाने के बावजूद गुरुवार को पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने मुख्यमंत्री की व्यस्तता का हवाला देते हुए प्रवर्तन निदेशालय से पेशी के लिए कम से कम तीन सप्ताह का समय मांगा। सोरेन ने कहा था कि अगर मैं मुजरिम हूं, तो मुझे सजा सुना दिया जाए, मुझे कोई चिंता नहीं है। मुझे गिरफ्तार किया जाए। यह अजूबा मामला है, जहां मुजरिम गिरफ्तार होने को तैयार बैठा है और दोषी बताने वाले सजा सुनाने को तैयार नहीं हैं। सत्ताधारी कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इसे राज्य सरकार को अस्थिर करने की साजिश बताया।

महागठबंधन को बदरुद्दीन का समर्थन

गुवाहाटी। अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बनाए जा रहे राष्ट्रीय महागठबंधन का हमने स्वागत किया है। हम चाहते हैं कि यह महागठबंधन असम में भी सफल हो। उन्होंने बताया नीतीश कुमार एक महीने में यहां आएंगे। एआईयूडीएफ प्रमुख ने कहा, हमें उम्मीद है कि ममता बनर्जी और कांग्रेस इस महागठबंधन में शामिल होंगे। इस गठबंधन का गठन भाजपा को केंद्र की सत्ता से हटाने के लिए किया गया है।

भारत के प्रथम मतदाता श्याम सरण नेगी का निधन

» दो दिन पहले ही किया था मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। पूरे देश के मार्गदर्शक एवं युवाओं को मतदान के प्रति जागरूक करने वाले देश के प्रथम मतदाता श्याम सरण नेगी का आज सुबह निधन हो गया। उन्होंने इस दुनिया को छोड़ने से पहले ही अपनी अंतिम इच्छा मतदान करके पूरी की। उन्होंने प्रशासन से मांग की थी कि दो नंवबर को घर से ही मतदान करेंगे।

जब प्रशासन ने उनसे पूछा कि आप कहां से मतदान करेंगे तब उन्होंने कहा था हर बार की तरह इस बार भी कल्पा प्राथमिक पाठशाला पोलिंग बूथ से मतदान करूंगा लेकिन तबीयत ठीक न होने पर उन्हें लगा कि अब इस दुनिया से विदा लेना है इसलिए उन्होंने जिला प्रशासन से अपील की कि अब वे अपने घर से ही मतदान करेंगे। उन्होंने अंतिम बार इस विधान सभा में मतदान किया।

गहलोत ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, कहा

गुजरात मॉडल हवा-हवाई, खुल गयी है पोल

» भाजपा बोल रही झूठ राज्य में सरकार विरोधी लहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गुजरात में मैं काम कर रहा हूं, वहां कुछ भी नहीं हुआ है। मोदी के समय में गुजरात का मॉडल कुछ नहीं था। खाली हवा-हवाई बातें थीं, अब उनकी पोल खुल रही है।

गहलोत ने कहा, गुजरात में सड़कें तक खराब हैं, राजस्थान में सड़कें शानदार हैं। वहां नौकरियां भी टेंपरेरी तौर पर दे रहे हैं। पांच साल के लिए रखते हैं। नौकरियां कम होने से आक्रोश है। ओपीएस भी लागू नहीं कर रहे हैं, भाजपा के लोगों को झूठ बोलने की आदत है और इन्हें ऐसा करने में शर्म भी नहीं आती है। राजस्थान में सरकार रिपीट होने के सवाल पर गहलोत ने कहा कि सरकार विरोधी लहर इस बार नहीं है। हमारी पूरी टीम ने अच्छे काम किए हैं। लोगों को अच्छ बजट दिया है, लंबे अरसे यह देखने को मिलेगा कि सरकार के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी नहीं है। सरकार की योजनाओं के कारण इस बार ऐसा कुछ नहीं है। हमारी अप्रोच है कि हम दूसरे के अच्छे कामों को भी अडॉप्ट करेंगे और दूसरे प्रदेशों की सरकारें हमारी अच्छी योजनाओं को लागू करें। गुजरात चुनाव में कांग्रेस की स्थिति को लेकर गहलोते बोले कि हम वहां जीत सकते हैं, क्योंकि एंटी-इनकम्बेंसी बहुत ज्यादा है। पीएम मोदी बार-बार वहां आ रहे हैं। हर हफ्ते वह गुजरात आते हैं, प्रधानमंत्री को वहां आने की क्या जरूरत है, उनका नाम ही बहुत बड़ा होता है।

मंत्री जी! फ्रॉड करने वाले ठेकेदार जावेद के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं?

» 13 महीने में 33 काम पाने वाला ठेकेदार जावेद पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद का है करीबी

» पीडब्ल्यूडी बरेली जोन में टेंडरों में खेल का मामला

» आरोपी चीफ इंजीनियर को मिला अतिरिक्त चार्ज

चेतन गुप्ता

लखनऊ। योगी सरकार पार्ट-2 में लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद का कार्यकाल सुर्खियों में रहा है। सत्ता का जब संरक्षण हो तो भ्रष्टाचार अपनी कई सीमाएं पार कर जाता है। ऐसा ही कुछ चल रहा है लोक निर्माण विभाग बरेली जोन में, जहां चीफ इंजीनियर ने अपने चहेते ठेकेदार को 13 महीने में करोड़ों रुपए के 33 काम दे दिए। स्थानीय स्तर से लेकर जब शासन-सत्ता तक शिकायत की गई तो मामले ने तूल पकड़ा। जांच पड़ताल शुरू हुई लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात रहा। विभागीय जांच एक किनारे लग गई और 10 फॉल्ट करने वाले ठेकेदार जावेद को पुल बनाने का एक नया ठेका ज्यादा लागत वाले कोटेशन के बावजूद दे दिया गया। और तो और आरोपी चीफ इंजीनियर को एक अलीगढ़ मंडल का अतिरिक्त चार्ज भी दे दिया गया। जिसके बाद से बरेली जोन के अन्य ठेकेदार शासन और सत्ता से मायूस है। अब वह मीडिया से गुहार लगा रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग बरेली के टेंडरों में महाघोटाला सामने आया है। बरेली मंडल में एक ठेकेदार है मोहम्मद जावेद अली खान, जिनकी फर्म का नाम है मैसर्स ए एम बिल्डर्स। बरेली जोन में चाहे कोई भी काम हो सब पर खान का ही कब्जा होता है। 33 कार्यों की सूची है जो खान को 13 महीने में सेटिंग-गेटिंग के जरिए दिए गए हैं। इस सूची में एक काम लोक निर्माण विभाग पीलीभीत निर्माण खंड 1 द्वारा नाला पर पुल निर्माण का है, इसकी लागत 5 करोड़ 14 लाख रुपए है। इस टेंडर में खेल हुआ है। इस कार्य में दूसरे ठेकेदार सतीश चंद्र दीक्षित ने टेंडर डाल दिया तो अधिकारियों द्वारा अपने चाहते ठेकेदार को टेंडर दिलाने के लिए जो हथकंडे अपनाए गए वही उनके गले की फांस बन गए। इस कार्य को लेकर चार बार टेंडर डाले गए। हर बार कोई न कोई कमी निकालकर सतीश को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। पांचवी बार में जावेद खान का एकल टेंडर नियमों के विरुद्ध जाकर स्वीकार कर लिया गया और उसे ठेका दे दिया जाता है जबकि यह ठेका चौथी बार डाले गए टेंडर से 45 लाख रुपए ज्यादा का होता है।

हाईकोर्ट ने भी अफसरों की मनमानी की बात मानी

सतीश चंद्र दीक्षित को पहली बार 3 महीने के लिए 27 अप्रैल 2021 को ब्लैक लिस्ट करने का नोटिस दिया गया। 30 अप्रैल को चीफ इंजीनियर बने देवेश कुमार तिवारी ने 21 मई को 3 महीने के लिए दीक्षित का पंजीयन निरस्त कर दिया, जिसे बाद में बहाल कर दिया। इनके बाद जब चीफ इंजीनियर एम एम निसार आते हैं तो वह दीक्षित को 26 नवंबर से करीब 1 साल के लिए ब्लैक लिस्टेड कर देते हैं। जिसके खिलाफ दीक्षित जुलाई 2022 में हाईकोर्ट जाते हैं। 28 जुलाई को हाईकोर्ट ने अपने आदेश में दीक्षित के पंजीयन को 1 साल के लिए निरस्त करने के आदेश को खारिज किया और अफसरों की मनमानी की बात मानी।

जनप्रतिनिधियों की शिकायतों को किया गया नजरअंदाज

पीडब्ल्यूडी बरेली जोन में भ्रष्टाचार के मामले को उजागर करते हुए करीब आधा दर्जन विधायकों ने शिकायतें की लेकिन नतीजा सिफ़र रहा। जांच पड़ताल के नाम पर महज खानापूरी हुई और जांच फाइलों में दब गई। बदायूं से बीजेपी के विधायक महेश चंद गुप्ता, पीलीभीत से उस समय के विधायक रामशरण लाल वर्मा, बरेली से पूर्व विधायक राजेश मिश्रा, शाहजहांपुर से बीजेपी के विधायक वीर विक्रम सिंह, बदायूं से विधायक आरके शर्मा ने शासन से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत की। एक विधायक को छोड़कर सभी ने ठेकेदार सतीश चंद्र दीक्षित के पक्ष में जावेद और चीफ इंजीनियर की शिकायत की। बरेली के पूर्व भाजपा विधायक राजेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री से शिकायत की तो उस पर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जांच बैठा दी गई लेकिन नतीजा सिफर रहा।

तेजी से चल रही लोकायुक्त की जांच अचानक पड़ी ठंडी

इस पूरे प्रकरण में लोकायुक्त की जांच बड़ी तेजी से चल रही थी जिसमें आरोपों की श्रंखला में जो बिंदु ठेकेदार सतीश ने उठाए थे, दो को छोड़ सबकी जांच तीन महीने पहले हो चुकी थी और उनमें कई अफसरों को दोषी माना भी गया था लेकिन अचानक ऐसा क्या हुआ कि जांच ढीली पड़ गई। इसको लेकर खुद ठेकेदार सतीश चंद हैरान है। मैसर्स सतीश चंद्र दीक्षित को टेंडरों से बाहर रखने के लिए जो भी चीफ इंजीनियर की कुर्सी पर आया, सब ने खेल किया। निविदा समिति लखनऊ ने 20 मार्च, 2021 को मीटिंग करके मोहम्मद जावेद खान की फर्जी शिकायत को खारिज करके टेंडरों की फाइनेंशियल बिट खोलने को अनुमति दे दी। जब बरेली के मोहम्मद जावेद खान के साथ यह बात स्थानीय अधिकारियों को मालूम हुई कि तीनों टेंडर ग्रह्यी पोर्टल पर पास हो गए हैं, तब इनके द्वारा एक नई चाल चली गई। मोहम्मद जावेद खान से फिर फर्जी शिकायत कराई गई कि दीक्षित ने निरस्त अनुभव प्रमाण पत्र लगाकर टेंडर को पास करा लिया है, जिस पर टेंडर को निरस्त कर दिया गया।

पीडब्ल्यूडी बरेली जोन में भ्रष्टाचार इस कदर व्याप्त है कि अफसरों की मेहरबानी पर 13 महीनों में जावेद को 33 काम दे दिए गए हैं। दूसरा कोई ठेकेदार ठेका पा ही नहीं सकता, जिसका मैं जीता जागता सबूत हूं। मेरे द्वारा शासन स्तर पर की गई शिकायत पर जांच कमेटी बैठी और शासन से आए अफसरों ने बरेली जोन के 2 महीने का रिकॉर्ड चेक कर अफसरों को दोषी ठहराया लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात रहा। जावेद को दिए गए एक भी टेंडर निरस्त नहीं किए गए।

सतीश चंद दीक्षित, शिकायतकर्ता, ठेकेदार

जो भी टेंडर मुझे मिले हैं उसमें मैंने कोई भी फ्रॉड नहीं किया है। जांच हो चुकी है। जिन बिंदुओं पर अधिकारियों को संदेह था वो भी दूर हो चुका है। ए क्लास कांट्रेक्टर हूं। यूपी समेत कई राज्यों में पुल निर्माण कार्य में फर्म काम कर रही है। अफसरों से मिलीभगत कर ठेका पाने का आरोप गलत है।

मोहम्मद जावेद खान, मैसर्स एएम बिल्डर्स, प्रोपराइटर

ठेकेदार सतीश चंद दीक्षित द्वारा लगाए गए सारे आरोप निराधार हैं। सतीश येन-केन-प्रकारेण पुल का ठेका पाना चाहते हैं। पुल निर्माण बेहद संवेदनशील विषय है। किसी भी अप्रशिक्षित व्यक्ति को इस तरह का ठेका नियमों को ताक पर रखकर कतई नहीं दिया जा सकता है। टेंडर नियमों के तहत किए गए। मैसर्स ए एम बिल्डर्स ए ग्रेड की फर्म है, जो पुल बनाने में माहिर है। जावेद से किसी भी प्रकार का कोई भी व्यक्तिगत रिश्ता नहीं है।

एम एम निसार, चीफ इंजीनियर, बरेली जोन, पीडब्ल्यूडी

2025 तक साफ होगी यमुना: सिसोदिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार 2025 तक यमुना की सफाई के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कोंडली स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और 'गाद उपचार संयंत्र' का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को 45 एमडीजी क्षमता वाले एसटीपी को आधुनिक तकनीक से अपग्रेड कर सीवेज के पानी को बेहतर तरीके से शोधित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने तय समय में इस काम को पूरा करने का निर्देश दिया है। इस दौरान सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार दिल्ली के विभिन्न इलाकों में विभिन्न वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ाने व यमुना की सफाई को लेकर चरणबद्ध तरीके से काम कर रही है। सरकार ने यमुना नदी को 2025 साल में पूरा साफ करने का लक्ष्य रखा है। यमुना तक साफ पानी पहुंचे इसी कड़ी में कोंडली में 45 एमडीजी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को अपग्रेड किया जाएगा।

जीवन में निश्चिंतता का अनुभव करने का आध्यात्मिकता ही है सहारा: शिवानी

» दयाल ग्रुप आफ कंपनीज के अध्यक्ष राजेश सिंह ने किया शिवानी दीदी का स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दयाल ग्रुप ऑफ कंपनीज एवं ब्रह्माकुमारीज गोमती नगर के संयुक्त तत्वावधान में दयालबाग, सुशांत गोल्फ सिटी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने अध्यात्म के द्वारा अनिश्चिता पर विजय विषय पर बोलते हुए कहा कि आज चारों ओर वैश्विक सामाजिक, राज्य या व्यक्तिगत स्तर पर अनिश्चितता और भय का वातावरण है।

पूरे विश्व पर युद्ध की भीषण त्रासदी, महंगाई, महामारियों एवं भूखमरी के काले बादल लहरा रहे हैं। आजकल छोटे-छोटे बच्चों में भी एंजाइटी अटैक व अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है, लोग तरह-तरह की मानसिक बीमारियों का सामना कर रहे हैं। इस दुख एवं तनाव भरे माहौल में आध्यात्मिकता ही एक ऐसा सहारा है जिससे हम अपने जीवन में निश्चिंता का अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें यह चेक करना है कि परिस्थिति ज्यादा शक्तिशाली है या मेरे मन की स्थिति। मन की स्थिति से निकलकर हम बाहर के परिस्थिति पर सहज ही विजय प्राप्त कर सकते हैं। बाहर का दृश्य चाहे कैसा भी हो लेकिन अंदर उस खेल को खेलने वाला खिलाड़ी हमेशा मस्त और मनोरंजन के साथ उस खेल को खेल सकता है। यह आध्यात्मिक ऊर्जा इतनी शक्तिशाली है कि आप कभी खुशी कभी गम के झूले से उतर कर बेहतरीन जिंदगी जी सकते हैं। शिवानी दीदी ने कहा कि हमेशा एकरस रहते हुए खुशियों के झूले में झूलते रहते हैं, स्वयं को हमेशा हल्का और ऊर्जावान महसूस करते हैं, बाहर की कोई भी परिस्थिति कागज के शेर के समान दिखाई देती है। कार्यक्रम में शिवानी दीदी का स्वागत दयाल ग्रुप आफ कंपनीज के अध्यक्ष राजेश सिंह, एडीजी सुरक्षा बी.के. सिंह, पूर्व जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह, निदेशक दयाल ग्रुप पार्थ सिंह एवं समाजवादी पार्टी प्रवक्ता अनुराग भदौरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राजयोगिनी ब्रम्हाकुमारी राधा दीदी के धन्यवाद संभाष के साथ हुआ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।